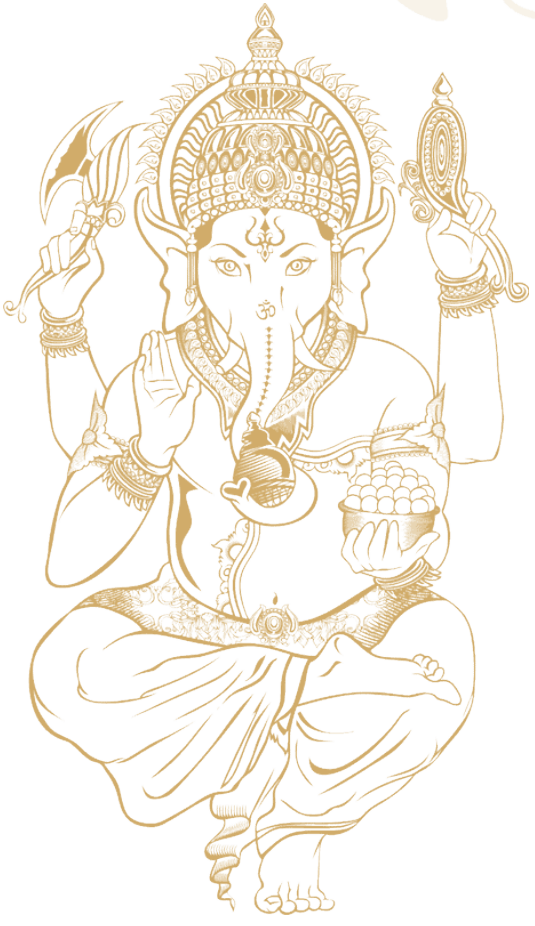

Abhishek kumar

28 Jul 1997

01:58 AM

Barahat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121853502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/07/1997**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**01:58:15 घंटे**
इष्ट	52:07:22 घटी
स्थान	**Barahat**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:53:00 उत्तर
रेखांश	87:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:18:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:16:19 घंटे
वेलान्तर	-00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल	22:38:32 घंटे
सूर्योदय	05:07:18 घंटे
सूर्यास्त	18:29:10 घंटे
दिनमान	13:21:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	11:00:04 कर्क
लग्न के अंश	27:59:32 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:59:32	343:05:21	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			कर्क	11:00:04	00:57:21	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मेष	24:43:12	13:27:55	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	25:47:18	00:34:16	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			सिंह	07:13:08	01:14:58	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	24:48:14	00:07:22	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			सिंह	11:21:11	01:12:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:31:04	00:00:30	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:00:05	00:01:44	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:00:05	00:01:44	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	12:57:08	00:02:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:34:07	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:04:47	00:00:32	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:08:35	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:22

लग्न-चलित

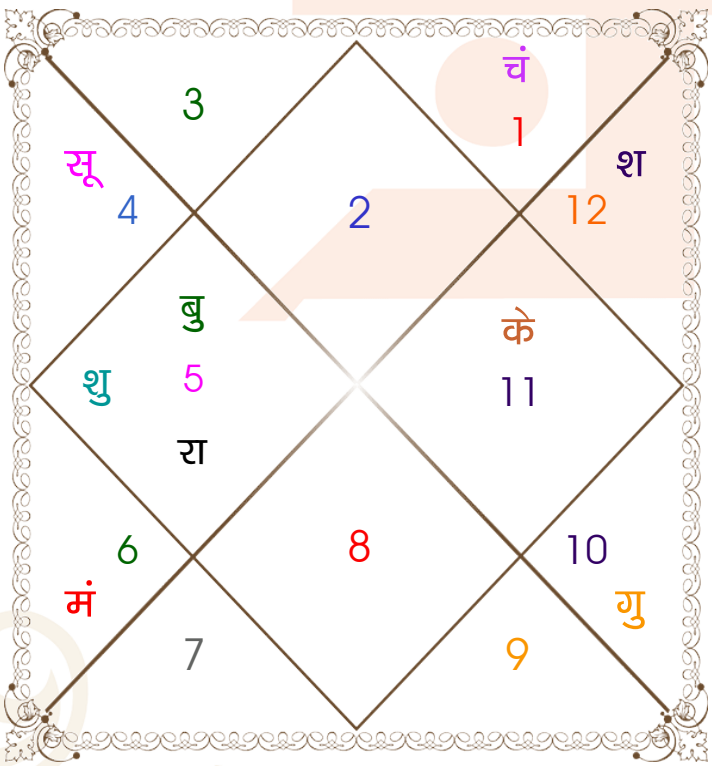

चन्द्र कुंडली

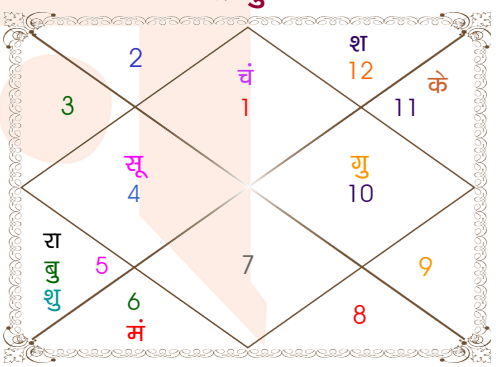

नवमांश कुंडली

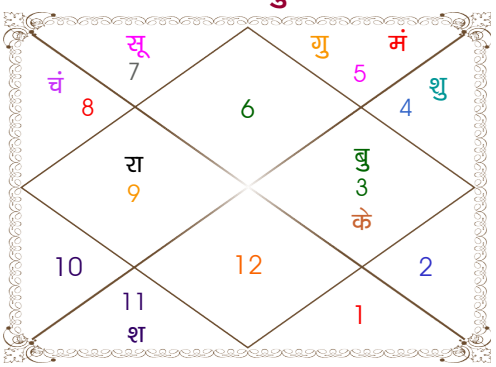

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 11 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/07/1997		**28/06/2000**		**29/06/2006**		**28/06/2016**		**29/06/2023**	
28/06/2000		**29/06/2006**		**28/06/2016**		**29/06/2023**		**28/06/2041**	
	00/00/0000	सूर्य	16/10/2000	चंद्र	29/04/2007	मंगल	24/11/2016	राहु	11/03/2026
	00/00/0000	चंद्र	16/04/2001	मंगल	28/11/2007	राहु	13/12/2017	गुरु	04/08/2028
	00/00/0000	मंगल	22/08/2001	राहु	29/05/2009	गुरु	19/11/2018	शनि	11/06/2031
	00/00/0000	राहु	17/07/2002	गुरु	28/09/2010	शनि	28/12/2019	बुध	28/12/2033
	00/00/0000	गुरु	05/05/2003	शनि	28/04/2012	बुध	25/12/2020	केतु	15/01/2035
	00/00/0000	शनि	16/04/2004	बुध	28/09/2013	केतु	23/05/2021	शुक्र	15/01/2038
	28/07/1997	बुध	21/02/2005	केतु	29/04/2014	शुक्र	23/07/2022	सूर्य	10/12/2038
बुध	29/04/1999	केतु	28/06/2005	शुक्र	28/12/2015	सूर्य	28/11/2022	चंद्र	10/06/2040
केतु	28/06/2000	शुक्र	29/06/2006	सूर्य	28/06/2016	चंद्र	29/06/2023	मंगल	28/06/2041

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/06/2041		**28/06/2057**		**28/06/2076**		**28/06/2093**		**29/06/2100**	
28/06/2057		**28/06/2076**		**28/06/2093**		**29/06/2100**		**00/00/0000**	
गुरु	17/08/2043	शनि	01/07/2060	बुध	25/11/2078	केतु	24/11/2093	शुक्र	30/10/2103
शनि	27/02/2046	बुध	11/03/2063	केतु	22/11/2079	शुक्र	25/01/2095	सूर्य	29/10/2104
बुध	04/06/2048	केतु	19/04/2064	शुक्र	22/09/2082	सूर्य	01/06/2095	चंद्र	30/06/2106
केतु	11/05/2049	शुक्र	20/06/2067	सूर्य	29/07/2083	चंद्र	01/01/2096	मंगल	30/08/2107
शुक्र	10/01/2052	सूर्य	01/06/2068	चंद्र	28/12/2084	मंगल	29/05/2096	राहु	29/08/2110
सूर्य	28/10/2052	चंद्र	31/12/2069	मंगल	25/12/2085	राहु	16/06/2097	गुरु	29/04/2113
चंद्र	27/02/2054	मंगल	09/02/2071	राहु	13/07/2088	गुरु	23/05/2098	शनि	29/06/2116
मंगल	03/02/2055	राहु	16/12/2073	गुरु	19/10/2090	शनि	02/07/2099	बुध	29/07/2117
राहु	28/06/2057	गुरु	28/06/2076	शनि	28/06/2093	बुध	29/06/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 11 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।